MR. CHAIRMAN: No, no; this is a West Bengal-related question. ...*(Interruptions)*...

SHRI ANAND SHARMA: Sir, you will appreciate what I am going to say because this is specific to the projects which are waiting environmental approval.

MR. CHAIRMAN: It relates to West Bengal. ...*(Interruptions)*... Sharmaji, please. ...*(Interruptions)*...

SHRI ANAND SHARMA: One moment, Sir. ...*(Interruptions)*...

MR. CHAIRMAN: No, no, please. It is not fair. It is not fair, please. ...*(Interruptions)*... I request you. ...*(Interruptions)*...

SHRI ANAND SHARMA: Sir, the Environment Minister can let us know ...

MR. CHAIRMAN: I am sure, he can.

SHRI ANAND SHARMA: ... how many infrastructural projects, besides West Bengal, all over the country are awaiting environmental approval. ...*(Interruptions)*...

MR. CHARIMAN: That is precisely the point. ...*(Interruptions)*... No, no. ...*(Interruptions)*...

SHRI ANAND SHARMA: Sir, it is very important.

MR. CHAIRMAN: It is 'besides West Bengal'. That is not the question. ...*(Interruptions)*... He will certainly share the information.

SHRI ANAND SHARMA: Sir, a large number of infrastructural projects are waiting...

MR. CHAIRMAN: Mr. Minister, I think you can make the information available.

SHRI ANAND SHARMA: He can send the information. ...*(Interruptions)*...

श्री अनिल माधव दवे: सर, मैं माननीय सदस्य को स्पष्ट कर देना चाहता हूँ कि उनके द्वारा चाही गयी जानकारी और पूछा गया प्रश्न, मूल प्रश्न की परिधि से बाहर है।

श्री सभापति: मगर आप इनको इन्फॉर्मेशन भेज दीजिए।

श्री अनिल माधव दवे: हाँ, सर। इन्होंने जो पूछा है, उसकी इन्फार्मेशन मैं इनको भेज दूँगा।

Sewage dumped into river Ganga

*155.SHRI K.T. S.TULSI: Will the Minister of WATER RESOURCES, RIVER DEVELOPMENT AND GANGA REJUVENATION be pleased to state the number and details of sewers which dumped sewage into river Ganga as in May 2014, May 2015 and May 2016?

THE MINISTER OF WATER RESOURCES, RIVER DEVELOPMENT AND GANGA REJUVENATION (SUSHRI UMA BHARTI): According to various surveys of river Ganga, in May 2014, May 2015 and May 2016 conducted by Central Water Commission (CWC) and Central Pollution Control Board (CPCB), 144 drains discharging average 6614 MLD of sewage and industrial effluents were identified. The State-wise details of drains are given below:

State	No. of Drains	Average Flow (MLD)	BOD Load (Tonnes / Day)
Uttrakhand	14	444.2	42.8
Uttar Pradesh	51	3811.2	188.01
Bihar	25	579.7	99.50
West Bengal	54	1778.9	95.53
TOTAL	144	6614.0	425.84

SHRI K.T.S. TULSI: Hon. Chairman, Sir, what I want to ask the hon. Minister through you is this. According to the news reports published in the newslaundry.com, the number of sewer plants that drain sewage in Ganga River in April, 2014 was 22 and in May, 2016, the number of sewers plants has increased from 22 to 33. The treatment capacity of the existing sewage plants — there are 55 sewage plants in all — is 1,027 million litres per day. But, according to the answer given by the Minister herself on 18th July, it has been said that 6,800 million litres per day is the treatment capacity required. Is that correct?

डा. संजीव कुमार बालियानः माननीय सभापति जी, माननीय सदस्य ने जो 6,800 मिलियन लीटर प्रति दिन कहा है, वह सच है और इस capacity में कुछ पेंडिंग है। अभी हमारे पास exact figure नहीं है, क्योंकि सवाल उससे संबंधित नहीं था, लेकिन अभी भी करीब 3,000 मिलियन लीटर के करीब की capacity install होनी बाकी है, जिसके लिए प्रोजेक्ट्स करीब-करीब तैयार हैं, क्योंकि इनमें जो STPs हैं, उनमें से कुछ land acquisition की वजह से पेंडिंग हुए, कुछ स्टेट और coordination की वजह से पेंडिंग हुए। इसके कारण इनमें से कुछ के बनने में देरी है और कुछ प्रोजेक्ट्स हम launch करने जा रहे हैं। उन्होंने जो 6,800 मिलियन लीटर प्रति दिन capacity की बात कही है, वह सही है।

SHRI K.T.S. TULSI: Sir, there are 22 major *ashrams* that are releasing the untreated sewage water into the Ganga and this number of major *ashrams* has increased from 17 to 22. What action is the Government taking to prevent discharge of sewage by these *ashrams* into the Ganga?

डा. संजीव कुमार बालियानः माननीय सभापति जी, पहली बात तो यह है कि जितने भी सीवरेज जहां-जहां से भी गंगा नदी में आ रहे हैं, उन सबका सेंट्रल पल्यूशन कंट्रोल बोर्ड के द्वारा सर्वे हो चुका है। जहां जो-जो समस्याएं हैं, वहां स्टेट पल्यूशन कंट्रोल बोर्ड के साथ बात करके उनके समाधान के प्रयास जारी हैं। इसमें कुछ के लिए प्रोजेक्ट्स बनने शुरू हुए हैं। हमने अभी 7 जुलाई को गंगा क्लीनिंग से रिलेटेड 221 प्रोजेक्ट्स launch किए हैं, बाकी जितने भी प्रोजेक्ट्स हैं, करीब-करीब एक हजार प्रोजेक्ट्स हैं, वे सितम्बर तक शुरू होने जा रहे हैं। 221 प्रोजेक्ट्स में किसी specific आश्रम का कोई

प्रोजेक्ट शामिल है या नहीं है, यह मैं अभी नहीं बता सकता हूँ, लेकिन मैं इसके बारे में सूचना माननीय सदस्य को भेज दूंगा। चूंकि किसी भी कस्बे और शहरों के अंदर सीवरेज उसमें आ रहे हैं, यह देखने का काम बेसिकली नगरपालिका का है, इसलिए माननीय सदस्य किसी कंसर्न्ड जगह के बारे में कह रहे हैं कि उसका प्रोजेक्ट बना है या नहीं बना है, मैं आपके माध्यम से इसके बारे में जानकारी माननीय सदस्य को भिजवा दूंगा।

SHRI RAJEEV CHANDRASEKHAR: Sir, I would continue the line that my colleague has put to the hon. Minister just now. This untreated sewage is the biggest risk to water bodies whether they are rivers or lakes. I just want to know from the hon. Minister, what is the broad regulatory framework, or the broad policy framework, that he plans to use to ensure that there is some form of tighter regulation on the flow of untreated sewage into water bodies perse whether lakes or rivers.

डा. संजीव कुमार बालियानः माननीय सभापति जी, हमने गंगा सफाई के लिए तीन तरह के प्रोजेक्ट्स शुरू किए थे - short term project, medium term project and long term project. जो medium term projects हैं, उन्हें हमें पांच साल में complete करना है। उनमें हम बेसिकली सीवरेज और इंडस्ट्रियल ट्रीटमेंट के काम को कवर करेंगे। उनमें करीब 110 शहर हैं, जिनमें 27 शहरों की feasibility report प्राप्त हो चुकी है, उम्मीद है कि बाकी की feasibility report अक्टूबर के अंत तक मिल जाएगी। हरिद्वार, मथुरा और वाराणसी, इन तीनों शहरों के सीवरेज के टेंडर हो चुके हैं और अक्टूबर के बाद धीरे-धीरे बाकी के टेंडर हो जाएंगे।

SHRI KIRANMAY NANDA: Sir, through you, I would like to know from the Minister as to how many sewerage tanks that were set up earlier are presently not working.

डा. संजीव कुमार बालियानः माननीय सभापति जी, इसकी सही संख्या बताना मेरे लिए थोड़ा मुश्किल होगा, लेकिन कितने वर्किंग हैं, और कितने वर्किंग नहीं हैं, इनसे संबंधित सही संख्या मैं माननीय सदस्य को भिजवा दूंगा।

डा. विनय पी. सहस्रबुद्धेः सर, मैं आपके माध्यम से केवल तीन सवाल पूछना चाहता हूँ। ये जो सीवर की लाइनें गंगा में छोड़ी जाती हैं, क्या इनको समाप्त करने के लिए सरकार के पास कोई समयबद्ध कार्यक्रम है? Is there a time-bound programme? दूसरा, जो इण्डिस्ट्रियल एफ्युलेंट वहां पर आता है तो ऐसे उद्योगों पर सरकार ने क्या कार्रवाई की है या उसकी गति बढ़ाई जा रही है और तीसरा, जो open defecation है ...**(व्यवधान)**...

MR. CHAIRMAN: One question, please.

डा. संजीव कुमार बालियानः माननीय सभापति जी, मैंने इसके लिए पहले ही कहा है STP के लिए 5 साल का समय रखा है। माननीय सदस्य का जो दूसरा सवाल था, गंगा के किनारे 764 gross polluting industries हैं, जिनमें से करीब 48 को closure notice दिया जा चुका है और उसमें से 5 बंद भी हो चुकी हैं। बाकी के खिलाफ कार्यवाही जारी है।